चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	6-4-25	2	2-4

The Tribune

Hisar agri varsity's Bawal research station gets award

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 5

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's Bawal Regional Research Station in Rewari district has been awarded the Best Volunteer Centre Award for its contributions to groundnut research.

Vice-Chancellor BR Kamboj has congratulated scientists of regional research station for the achievement.

The VC said the scientists of the station were awarded the honour for developing an improved variety of groundnut GNH 804.

The variety gave more yield and oil content and would prove beneficial to farmers of oilseed producing states, he added. He asked scientists to continue such quality research.

Regional Director (RRS-Bawal) Dharambir Yadav said the award was conferred on the centre for its work on the improved variety of peanut GNH 804, making recommendations related to nutrients in agronomy at the national level, setting up front-line demonstrations of peanut, training farmers and extension workers and promoting peanut cultivation in the area.

Director (Research) Rajbir Garg, Regional Director Dharambir Yadav and scientists researching peanut — Dr Ashok Kumar Dahinwal, Dr Amarjeet — and Plant Breeding Department head Gajraj Dahiya contributed to the research.

Vice-Chancellor BR Kamboj with scientists of the Bawal Regional Research Station.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6.4.25	3	1-4

मूंगफली में शोध के लिए बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के विज्ञानियों को बधाई दी है।

हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज विज्ञानियों के साथ • विज्ञप्ति

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डा. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे विज्ञानी डा. अशोक कुमार डहिनवाल, डा. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डा. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डा. रामावतार उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	6-4-25	8	6-8

मूंगफली के अनुसंधान एवं विकास में बेहतर योगदान

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार, 5 अप्रैल (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

हिसार स्थित हकृवि में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ। -हप्र

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ. रामावतार उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-5-25	4	5-7

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय पुरुस्कार मिलने पर टीम के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल को मूंगफली में उत्कृष्ट अनुसंधान और विकास कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केंद्र पुरस्कार मिला है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया यह पुरस्कार मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर मिला है। यह किस्म हरियाणा के लिए चिह्नित की गई है। इसमें पैदावार और तेल की मात्रा अधिक है।क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया यह पुरस्कार केवल जीएनएच 804 किस्म के लिए नहीं, बल्कि सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से जुड़ी राष्ट्रीय सिफारिशों, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, किसानों और विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए भी दिया गया है। इस अनुसंधान कार्य में अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत और पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का अहम योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	6. 4. 25	9	1-6

सराहनीय कदम **हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार**

मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में केन्द्र का रहा सराहनीय योगदान

कुलपति ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶। हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

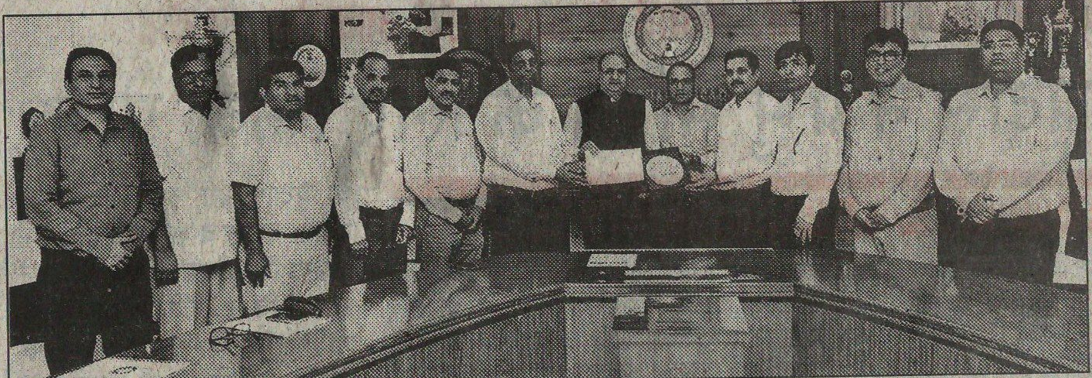

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

अनुसंधान में इनका रहा योगदान

मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.5.25	3	3-5

एचएयू के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केंद्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिह्नित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ.अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ. अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	6.4.25	4	1-2

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ।

हिसार, 5 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करनें पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	6.4.25	5	4-6

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार, 5 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभागे अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	05.04.25	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में केन्द्र का रहा बेहतर योगदान

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइज़र डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	05.04.25	--	--

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करनें पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज वैज्ञानिकों के साथ

वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	05.04.25	--	--

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.04.25	--	--

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल (रेवाड़ी) को मूंगफली में अनुसंधान एवं विकास कार्यों में बेहतर योगदान देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वालंटियर केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मूंगफली की उन्नत किस्म जीएनएच 804 विकसित करने पर वैज्ञानिकों को उपरोक्त पुरस्कार दिया गया है, जोकि हरियाणा राज्य के लिए चिन्हित की गई है। यह किस्म पैदावार व तेल की मात्रा अधिक देने वाली है। उपरोक्त किस्म तिलहन उत्पादकता वाले राज्यों के किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि भविष्य

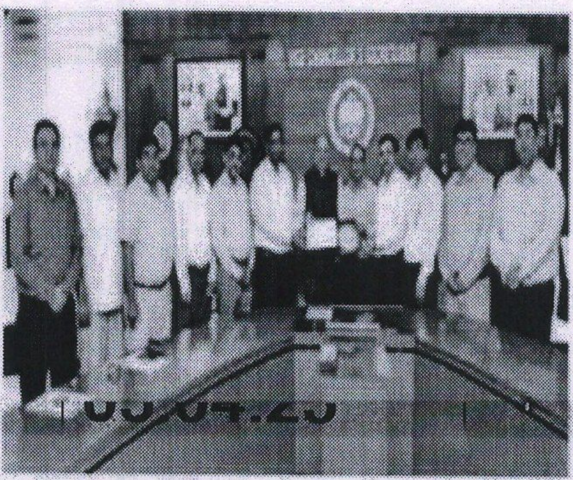

में भी इसी प्रकार के गुणवत्ताशील अनुसंधान जारी रखें। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मबीर यादव ने बताया कि यह पुरस्कार मूंगफली की राज्य स्तरीय उन्नत किस्म जीएनएच 804 के अलावा सस्य विज्ञान में पोषक तत्वों से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिश करने, मूंगफली के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन लगाने, किसानों व विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण एवं इस क्षेत्र में मूंगफली की खेती को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। मूंगफली के लिए किए गए अनुसंधान कार्य में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्मबीर यादव, मूंगफली पर कार्य कर रहे वैज्ञानिक डॉ अशोक कुमार डहिनवाल, डॉ अमरजीत व पौध प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, एसबीसी कपिल अरोड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व तिलहन अनुभाग अध्यक्ष डॉ रामावतार उपस्थित थे।